>

Title: Need to provide LPG connection to tea garden workers in West Bengal and Assam.

श्री मनोहर तिरकी (अलीपुरद्वार): महोदय, मैं देश में कार्यरत चाय बागानों के लाखों श्रमिकों की दयनीय अवस्था के बारे में सदन को जानकारी देना चाहता हूं। मैं आपके माध्यम से विभागीय मंत्री का हस्तक्षेप भी चाहता हूं।

महोदय, मैं एक चाय मजदूर हूं और मैं चाय मजदूरों के द्वारा निर्वाचित हुआ हूं। चाय उद्योग सबसे ज्यादा रोजगार देता है। इस उद्योग से भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा भी सरकार को प्राप्त होती है। साथ ही साथ यह उद्योग पर्यावरण रक्षण में मदद देता है। चाय बागानों के मजदूरों की मजदूरी बहुत कम है। पश्चिम बंगाल में 67 रूपया है, असम में 68 रूपया है, तमिलनाडु में 84 रूपये से 94 रूपया है और केरला में 113 रूपया है, सब जगह विभिन्न तरह की मजदूरी है, यह बहुत कम है। इसलिए हम लोगों ने वेज बोर्ड गठित करने की मांग की है।

चाय बागान में जो कम मज़दूरी दी जा रही है, उसको बढ़ाना है। कम मज़दूरी के कारण इस बढ़ती हुई मंहगाई में उनका जीवन कठिन हो गया है। मज़दूरों को अधिक मज़दूरी प्रदान करने के साथ साथ सस्ते दामों में चावल और गेहूँ उपलब्ध कराने का प्रावधान होना चाहिए। खाना पकाने के लिए भी लकड़ी जलावन के रूप में दी जा रही थी जो अभी बंद हो गया है। पर्यावरण रक्षा के लिए वन काटने में पाबंदी लगाने से मज़दूरों को जलावन के बदले कोयला देने की व्यवस्था की गई है। लेकिन कोयला उपलब्ध न होने से चाय बागान मज़दूर परेशान हैं, चाय बागान के मज़दूरों को पर्याप्त मात्रा में कैरोसीन भी नहीं मिलता है और बिजली भी वहाँ तक नहीं पहुँची है। चाय बागान के मज़दूर दुर्गम क्षत्रों में रहते हैं जहाँ सहजता से कोई सामान नहीं मिलता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि विशेषकर असम और बंगाल के चाय बागानों में मज़दूरों को सस्ते दामों पर एलपीजी कनैक्शन दिया जाए। यही अनुरोध मैं आपके माध्यम से करना चाहता हूँ।